



भारत का राजपत्र The Gazette of India

OK
21/3/86

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 64]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 6, 1986/माघ 17, 1907

No. 64]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 6, 1986/MAGHA 17, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके ।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

प्राचुर्य नियम

(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1986

सा. का. नि. 94 (अ) :—गैस सिलेण्डर नियम, 1981 का
और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित
प्रारूप, जिसे केंद्रीय सरकार, विस्फोटक अधिनियम, 1884
(1884 का 4) की धारा 5 और 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त अधिनियम की धारा 18 की
उप-धारा (1) की अपेक्षाानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी
के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की
संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्राचुर्य
नियमों पर उस तारीख से जिसको राजपत्र की प्रतियां जिसमें यह
अधिसूचना हो जन्ता को उपलब्ध कराए जाने की तारीख से पैंता-
लीस दिन की अवधि की समाप्ति पर विचार किया जाएगा ।

किन्हीं ऐसे आक्षेपों या सभावों पर, जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट
अवधि से पहले उक्त प्राचुर्य की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे,
केंद्रीय सरकार विचार करेगी ।

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम गैस सिलेण्डर (संशोधन)
नियम, 1986 है ।

2. गैस सिलेण्डर नियम, 1981 में (जिसे इसमें इसके पश्चात्
उक्त नियम कहा गया है) नियम 55, 56, 57, 58, 59, 60,
61, 62, 63, 64, 65 और 70 में जहां जहां कहीं "मुख्य
नियंत्रक" शब्द आते हैं उनके स्थान पर 'अज्ञापन अधिकारी'
शब्द रखे जाएंगे ।

3. उक्त नियमों के नियम 57 के निम्नलिखित परन्तु अन्तः-
स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"परन्तु यह कि मुख्य नियंत्रक द्वारा मंजूर की गई अन-
इष्टियों का स्वीकरण बिना किसी परिवर्तन के, इस
निमित्त मुख्य नियंत्रक द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत
किसी नियंत्रक द्वारा, किया जा सकेगा ।"

4. उक्त नियमों के नियम 62 में, उप-नियम (1) में—

"मुख्य नियंत्रक" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द
जोड़े जाएंगे

"या इस निमित्त मुख्य नियंत्रक द्वारा सम्यक् रूप से
प्राधिकृत किसी नियंत्रक"

5. उक्त नियमों के नियम 66 के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“66. अपील—(1) अनुज्ञप्ति के देने या संशोधन या उसके नवीकरण से इंकार करने या अनुज्ञप्ति के रद्दकरण या निलम्बन से सम्बन्धित इन नियमों के अधीन किए गए किसी आदेश के विरुद्ध अपील निम्नलिखित को की जा सकती :—

(1) यदि आदेश मुख्य नियंत्रक द्वारा पारित किया गया है तो केन्द्रीय सरकार को ;

(2) यदि विस्फोटक नियंत्रक द्वारा आदेश पारित किया गया है तो, मुख्य नियंत्रक को ।

(2) प्रत्येक अपील लिखित रूप में होगी और उसके साथ उस आदेश की प्रति होगी जिसके विरुद्ध अपील की जा रही है और यदि अपील केन्द्रीय सरकार को की जा रही है तो ऐसे आदेश के पारित होने के साठ दिन के भीतर और यदि अपील मुख्य नियंत्रक को की जा रही है तो 30 दिन के भीतर पेश की जाएगी ।

6. उक्त नियमों की अनुसूची 5 में, क्रम सं. 3 के सामने, “अनुज्ञप्ति अनुदत्त करने के लिए स्शक्त प्राधिकारी” स्तम्भ के नीचे “मुख्य विस्फोटक नियंत्रक” शब्दों के स्थान पर “मुख्य विस्फोटक नियंत्रक या मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा प्राधिकृत विस्फोटक नियंत्रक” शब्द रखे जाएंगे ।

[सं. 2(11)/85-डी. पी. आर./ई. जी. जी.]

ए. पी. सरवान, संपुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th February, 1986

G.S.R. 94(E).—The following draft of certain rules further to amend the Gas Cylinder Rules, 1981, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sections 5 and 7 of the Explosives Act, 1884 (4 of 1884), is hereby published as required by sub-section (1) of section 18 of the said Act for the information of persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft shall be taken into consideration 45 days after the Gazette containing this notification is made available to the public;

Any objections or suggestions received from any person with respect to the said draft before the draft

so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Gas Cylinder (Amendment) Rules, 1986.

2. In the Gas Cylinders Rules, 1981 (thereinafter referred to as the said rules), in rules 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, and 70, for the words ‘Chief Controller’ wherever they occur, the words ‘licensing authority’ shall be substituted.

3. In rule 57 of the said rules, the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that the licences granted by the Chief Controller may be renewed without any alteration by a Controller duly authorised by the Chief Controller in this behalf”.

4. In rule 62 of the said rules, in sub-rule (1) after the words “the Chief Controller”, the words “or a Controller duly authorised by the Chief Controller in this behalf” shall be inserted.

5. For rule 66 of the said rules, the following shall be substituted, namely :—

“66. Appeal.—(1) An appeal shall be against any order made under these rules refusing to grant, amend or renew a licence or cancelling or suspending a licence, to—

(i) the Central Government, where the order is passed by the Chief Controller;

(ii) the Chief Controller, if the order is passed by the Controller of Explosives.

(2) Every appeal shall be made in writing and shall be accompanied by a copy of the order appealed against and shall be presented within 60 days of the order passed, if preferred to the Central Government and within 30 days if preferred to the Chief Controller.

6. In Schedule V of the said rules, against Sl. No. 3, under the column “Authority empowered to grant licence”, for the words ‘Chief Controller of Explosives’, the words ‘Chief Controller of Explosives or Controller of Explosives authorised by the Chief Controller of Explosives’ shall be substituted.

[No. 2 (11)/85-DPR|EGG]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.